पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Happy Holi

Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-03-2023 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-25 | अंक-18 | भीलवाड़ा/ 07 मार्च, 2023 | कुल पृष्ठ- 12 | मूल्य : 25 रुपए

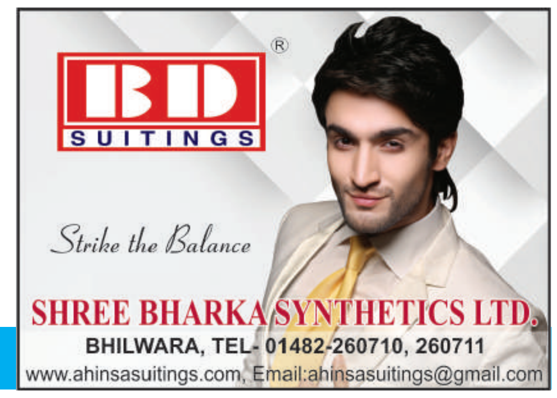

यार्न की कीमतें स्थिर रहती है
तो कॉटन यार्न की मांग और बढ़ेगी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कॉटन यार्न धीरे -धीरे मंहगा होता जा रहा है। कॉटन यार्न की जैसे मांग बढ़ रही है, उसी तरह से इसके भाव टाइट हो रहे हैं, यद्यपि कॉटन यार्न का उत्पादन सर्वत्र बढ़ रहा है। मिलों को उचित भाव पर कच्चे माल की उपलब्धि होने से कॉटन यार्न का उत्पादन पहले की तुलना में काफी अधिक सुधरा है। सटोरियों की भाव बढ़ाने एवं घटाने की कोई भूमिका नजर नहीं आ रही है। कॉटन यार्न के भाव में हो रहा सुधार मांग आधारित बताया जा रहा है। ब्रोकरों का कहना है कि वीविंग इकाईयों में कपड़ों का उत्पादन अधिक होने से यार्न की खरीदी बढ़ी है, इस कारण यार्न के भाव में थोड़ा सुधार है लेकिन सुधार बाजार में कब तक टिकता है, यह सवाल महत्वपूर्ण है।

एक समय ऐसा था, जब रुई के भाव काफी ऊंचे थे। सटोरिए मौके का फायदा उठाकर यार्न का भाव जब चाहते थे, बढ़ा दिया करते थे, कारण यार्न का उत्पादन कम हो गया था और मांग तथा आपूर्ति के बीच में अंतर बढ़ गया था। उस तरह की स्थिति अब नहीं रही है। स्पिनिंग मिलों की यार्न का उत्पादन बढ़ाने की उलझन दूर हो चुकी है। स्थानीय स्तर पर कॉटन यार्न की मांग में संतोषजनक सुधार दिखाई देने से मिलें कॉटन यार्न का उत्पादन लगातार बढ़ा रही है। रुई के भाव में भारी कमी आने से स्पिनिंग मिलों को कॉटन यार्न का उत्पादन एक निश्चित स्तर पर बनाए रखने में मदद मिल रही है, जिससे यार्न की मांग को पूरी की जा सकी है और अधिक स्टॉक भी नहीं हो सके। साउथ की मिलों की स्थिति जहां मंहगी रुई और कमजोर मांग के कारण कमजोर हो गई थी, मिलों में यार्न का उत्पादन ठीक से नहीं हो पा रहा था। मिलों स्थिति इतनी खराब थी कि पहले स्पिनिंग मिलों में यार्न का उत्पादन सप्ताह में चार से पांच दिनों तक हो रहा था। अब इसमें बहुत बड़ा बदलाव आ गया है, मिलों में पूरे सप्ताह यार्न का उत्पादन हो रहा है।

यह संकेत दे रहा है कि कॉटन यार्न की मांग में भारी उछाल आया है। यार्न की कीमतें स्थिर रहती है, तो यार्न की मांग और बढ़ेगी, कारण कि कपड़ों का उत्पादन बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। गुजरात की स्पिनिंग मिलों की रुई खरीद धीमी पड़ी है, यद्यपि रुई की कोई कमी नहीं है, लेकिन बाजार में रुई के भाव बढ़ने शुरू हो गए हैं।

RUBYWHITE
BRILLIANT WHITE FABRICS PERFECTED OVER 106 YEARS.

होली के कारण अधिकाधिक उत्पादन लेने पर जोर

बालोतरा/ एल सी पुनीत

गर्मी की दस्तक का अहसास होने लगा है। इसी के साथ औद्योगिक प्रक्रियाओं में भी तेजी की रफ्तार बढ़ने लगी है। इसका मुख्य कारण होली का त्यौहार है। इन दिनों उद्यमी अधिकाधिक उत्पादन लेने के मूड में हैं ताकि होली के अवकाश पूर्व जितना उत्पादन लिया जा सके, ले लिया जाय। बिठूजा और बालोतरा जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रक ट्रस्ट ने लगभग पन्द्रह दिनों तक कारखानों का प्रदूषित जल शोधन हेतु सीईटीपी में न लेने की सूचना अपने सभी सदस्यों को दे दी है। इस आदेश के कारण उत्पादन की सारी प्रक्रियाओं पर विराम की स्थिति बन जाती है। धुपाई, डाईंग, फिनिशिंग के अलावा फोल्डिंग, पैकिंग और चालानी का काम भी अवरूद्ध हुए बिना नहीं रहता। छुट्टियों के परिणाम स्वरूप श्रमिक वर्ग महत्वपूर्ण लोक त्यौहार के उत्सव का सर्वाधिक आनन्द लेने हेतु अपने गृह-ग्रामों को कूच कर जाते हैं। अवकाश के दिनों में औद्योगिक क्षेत्र पूर्णतः वीरानी के आगोश में समा जाता है। सड़कों पर न चहल-पहल रहती है, न ही आवाजाही। कारखानों के जहाँ रंग-बिरंगे रंगों की इन्द्रधनुषी छटा रहती है, वहाँ कोई रंग का आभास भी नहीं होता। सड़कों पर विचरते थैले, गाड़ियाँ या अन्य दृश्य ओझल से प्रतीत होना, इस स्थिति में सहज सम्भावित है। उत्पादकों पर इन दिनों ग्रे की तेजी मंदी का असर नहीं होता। उत्पादकों का माल उनकी रेट पर ही सौदे में सिमटता है। माल के सौर्दे अवश्य होते हैं, पर उत्पादन के अभाव में पेंडिंग रह सकते हैं।

वर्तमान हालातों में एक बात तो उद्यमियों को अवश्य लगती है कि सीजन निश्चित रूप से अच्छा रहेगा और अब तक की दुविधायें, सुविधायें के नये रूप में परिवर्तित होकर उभरे बिना नहीं रहेगी। रकम की आवक में पहले से सुधार अवश्य हुआ है, परन्तु वित्त वर्ष की समाप्ति के कारण इन दिनों भुगतान संकट की समस्या सदा बनी रही है। माल की सतर्कता के साथ वार्षिक लेखा-बन्दी की ओर उद्यमियों की सचेष्ट आँख लगी रहती है। वास्तव में कई कारणों से व्यापारियों के पास रकम की उपलब्धता के उपरान्त भी कतिपय कारणों से वे नगद राशि को रोके रखते हैं। नगद की तरलता का प्रवाह अप्रेल माह से संतोषप्रद होने की सम्भावनायें प्रबल है।

पोपलीन की मांग बम्पर है। नाईटी की डिमाण्ड में अभी भी रफ्तार आनी बाकी है, परन्तु पेटीकोट, अस्तर, रूबिया के साथ सिन्थेटिक रोटो व पोकेटिंग की पूछ-परख अच्छी बनती जा रही है।

MAHENDRA JAIN
+91 94138 60897
+91 63785 41066
।। श्री नाकोड़ा भैरवाय नमः।।
HARSH JAIN
+91 94611 32695
Deal with ease, deal with us
Bhairav Syntex
Textile Agent
Specialisation in UNIFORM & CORPORATES
112, 1st Floor, Shreenath Tower, Pur Road, Gangapur Choraha
Bhilwara-311001 (Raj.) bhairavsyntex11@gmail.com

बाजार में नरमी का रुख

उदयपुर/ नवीन कोठारी

होली से पहले किसी प्रकार के मांगलिक कार्य नहीं होने से स्थानीय वस्त्र बाजार में बिल्कुल ग्राहकी नहीं है। गत आलोच्य पखवाड़े में थोड़ी बहुत सर्दी के कारण ऊनी वस्त्रों की मांग थी, परन्तु अब सर्दी समाप्त हो चुकी है। लोगों को ऊनी वस्त्र चुभने लगे हैं, ऊनी वस्त्रों के बाजार भी अब बन्द कर दिये गये। शहर के ऊनी वस्त्र प्रतिष्ठानों से भी ऊनी वस्त्रों का स्टॉक हटा कर समर के वस्त्र मंगवाना शुरू हो गया। पहली बार फरवरी माह का तापमान में बढ़ोतरी होने से आगामी दिनों में गर्मी के तेवर तेज रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। वस्त्र व्यापारी भी उसी अनुसार माल का ऑर्डर दे रहे हैं। होली पर्व नजदीक होने से महिलाओं में पारम्परिक परिधान 'फागणिया' की मांग बाजार में होने लगी है। साड़ी प्रतिष्ठानों पर इन दिनों विभिन्न वैरायटियों में 'फागणिया' उपलब्ध है और कई जगह पर डिस्प्ले में भी इनकी नुमाइश देखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार होली से ही कई प्रकार के उत्सव और त्यौहारों का शुभारम्भ हो जाएगा, अतः वस्त्र बाजार में चहल पहल बढ़ सकती है।

लघु उद्योग भारती एवं मेवाड़ चैंबर की ओर से आयोजित सेमिनार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने किया संबोधित

उद्यमियों को दी नसीहत 'आत्मनिर्भर बनो, हम रेवड़ियाँ नहीं बाँटते'

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

स्थानीय व्यापारिक संगठन मेवाड़ चैंबर एवं लघु उद्योग भारती के तत्वावधान में गत माह 23 फरवरी को अलग-अलग कार्यक्रम में सेमिनार आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल ने शिरकत की। इस कार्यक्रम के दौरान स्थानीय संगठनों एवं उद्यमियों ने टेक्सटाइल इंडस्ट्री की ग्रोथ लिये केंद्र सरकार को प्रस्ताव दिए, जिसमें इण्डस्ट्री की ग्रोथ के लिए मण्डी में टेक्सटाइल पार्क एवं नई स्कीम व सब्सिडी देने व अन्य सुविधाओं की मांग की, तो केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि मोदी जी की सरकार रेवड़ियां बांटने में विश्वास नहीं रखती है। स्वयं ही स्किल्स एवं रिसर्च करके आत्मनिर्भर बनो, केवल सरकार के भरोसे रहने से काम नहीं चलेगा, यही मिला भीलवाड़ा वस्त्र मंडी को केंद्र सरकार का सुझाव।

आश्चर्य यह हुआ कि इस बात पर शहर के किसी भी उद्यमी और संगठन ने विरोध नहीं जताया कि मान्यवर मोदी जी का रेवड़ी शब्द हमारे से जोड़कर क्यों अपमान कर रहे हो, क्योंकि उद्योगों के विकास के लिए किसी प्रकार की सहायता या अनुदान रेवड़ी में नहीं आता, क्योंकि रेवड़ी में तो वोट मिलता है जबकि इंडस्ट्री की सहायता करने से देश की ग्रोथ होती है। जबकी भीलवाड़ा शहर 9 करोड़ मीटर सूटिंग फैब्रिक का उत्पादन कर रहा है। टैक्सटाइल पार्क के बारे में श्री गोयल ने बताया कि प्रस्ताव आया, लेकिन यह प्राथमिकताओं के आधार पर ही खुलेगा। इसमें कपड़ा मंत्रालय सभी शहरों की ग्रेडिंग तैयार कराएगा। इसके बाद इन्वेस्टर्स का फीडबैक लेने के पश्चात् निर्णय किया जाएगा, इस दौरान भीलवाड़ा के उद्यमियों और जनप्रतिनिधियों ने नई स्कीम व सब्सिडी देने वाली अन्य सुविधाओं की मांग की, इस पर श्री गोयल बोले कि कि मोदी जी की सरकार रेवड़ियां बांटने में विश्वास नहीं करती है और आईटी सेक्टर से तुलना कर दी कि उनका 200 बिलियन डॉलर का कारोबार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार से यदि प्रस्ताव आता है तो हम नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फैशन टेक्नोलॉजी का एक एक्सटेंशन शुरू कर सकते हैं। इससे फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे।

दिल्ली से आए अफसरों ने जाना इंडस्ट्री का भीलवाड़ा मॉडल

स्थानीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री किस तरह ग्रोथ कर रही है, इसे समझने के लिए केंद्रीय कपड़ा उद्योग व वाणिज्य मंत्रालय के अफसरों ने फीडबैक लिया और कहा कि भीलवाड़ा मॉडल सभी शहरों को बताएंगे। इसमें डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव श्री राजीव सिंह ठाकुर, वस्त्र मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री रोहित कंसल, संयुक्त सचिव श्री प्रजाकत वर्मा, निदेशक इंफ्रा श्री अनिल कुमार, मुंबई से वस्त्र आयुक्त एवं डिप्टी डायरेक्टर जनरल श्री उषापाल आदि उपस्थित थे।

उत्तरप्रदेश व्यापार मण्डल मुज़फ्फरनगर की बैठक सम्पन्न

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल... 28 फरवरी 2023 को उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल, नगर इकाई मुजफ्फरनगर की एक बैठक एस डी कॉलेज न्यू मार्केट मंदिर प्रांगण में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष श्री अजय सिंघल व संचालन महामंत्री श्री प्रवीण खेड़ा ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अशोक कंसल ने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष में पूरे प्रदेश में व्यापारी स्वाभिमान यात्रा निकाली जाएगी, जो 13 मार्च को सहारनपुर से प्रारम्भ होकर 14 मार्च को मुजफ्फरनगर पहुंचेगी। श्री कंसल ने कहा किव्यापार मण्डल गत 50 वर्षो से व्यापारिक हितों के लिए तत्पर है। नगर अध्यक्ष श्री सिंघल ने बताया कि लगभग 40 गाड़ियों के काफिले के साथ स्वाभिमान यात्रा का रोहाना टोल प्लाजा से स्वागत के साथ रुड़की रोड़, शिव चौक, नुमाइश कैंप आदि कई स्थानों पर नगर में यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। महामंत्री श्री श्याम सिंह सैनी व श्री प्रवीण खेड़ा ने बताया कि यहां से यात्रा आगे प्रस्थान करते हुए मंसूरपुर, खतौली, भोपा मोरना, मीरापुर जानसठ, आदि कस्बों में भ्रमण व स्वागत कार्यक्रम के बाद पुनः नगर में प्रवेश करते हुए सायं आशीर्वाद बैंकेट में व्यापारियों की सभा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में लाल सिंह मार्केट के अध्यक्ष श्री घनश्याम पालीवाल को नगर उपाध्यक्ष व लाल सिंह मार्केट के महामंत्री श्री आशीष सिंघल को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। दोनों ने उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल के लिए जी जान से कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में सर्व श्री अशोक कंसल, अजय सिंघल, श्याम सिंह सैनी, प्रवीण खेड़ा, सुखदर्शन सिंह बेदी, अशोक छाबड़ा, सुलक्खन सिंह नामधारी, दिनेश बंसल, सुनील तायल, अमित मित्तल, अनिल तायल, पंकज अपवेजा, घनश्याम पालीवाल, आशीष सिंघल, दीपक गोयल, कशिश गोयल, संजय मित्तल, मनोज गुप्ता, निकिता चौधरी, मोहित अग्रवाल, हरीश गुप्ता, राजेश सैनी, विकास गुप्ता, श्रवण अग्रवाल, दीपक गौड़, हर्ष वर्धन बंसल, शलभ गर्ग, आशु वर्मा, प्रदीप उत्तरेजा, वीर रूहेला आदि व्यापारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

यह क्या हो गया?

बरेली / राजीव अरोड़ा

इस समय व्यापार की हालत इतनी खस्ता हो गई है कि व्यापारियों का दिल बैठ जा रहा है। कई व्यापारियों का कहना है कि फरवरी से मई तक व्यापार इतना मस्त होता था, कि फुर्सत नहीं मिलती थी, किन्तु आज मार्केट में सन्नाटा छाया हुआ है। जब कारण पूछा तो स. राजेंद्र सिंह जी ने बताया कि रेडीमेड और ऑनलाइन से व्यापार प्रभावित हुआ है। श्री नरेश घड़ियाल ने बताया कि कितना सोच समझकर माल मंगाया और फिर भी माल नहीं बिक रहा है। होली में ऐसे खाली बैठेंगे, पता नहीं था। सूटिंग शर्टिंग की तो अब बिक्री बहुत कम हो गई है। ऐसा नहीं है कि कटरा के सभी व्यापारी हताश हैं। उन सीमित व्यापारियों का अच्छा काम चल रहा है। जो अपनी मोटी लागत से काम कर रहे हैं। छोटा-मोटा उधार बेचने वाले व्यापारी परेशान हैं, क्योंकि उनकी रकम की वापसी नहीं है। स. चरणजीत छाबड़ा जो कटरा मानराय के सम्मानित व्यापारी हैं, उन्होंने बताया कि सेल सीमित जरूर है, किंतु उधार के स्थान पर नकद बिक्री कर व्यापारी (ग्राहक) सहयोग कर रहे हैं।

विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के चुनाव सम्पन्न

सतना/ बलराम शुक्ला

विंध्य प्रदेश की शीर्ष संस्था विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज है, जिसका 58 वां वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न हुआ। संस्था का द्विवार्षिक अधिवेशन होता है लेकिन 2018-19 के बाद चुनाव नहीं हो सके। एक तो कोरोना महामारी, दूसरा संस्था में कुछ विवाद होने की वजह से चुनाव नहीं हो सके लेकिन बहु प्रतीक्षित अधिवेशन 25 को एवं 26.2.23 को चुनाव सम्पन्न हो गये।

संस्था मे दो पैनल बने थे, जिसमें एक पैनल से चार प्रत्याशी निर्वाचित हुए एवं दूसरे पैनल से तीन प्रत्याशी विजयी हुए। अध्यक्ष सर्व श्री सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, महामंत्री संदीप जैन मंत्री हरिओम गुप्ता.सहमंत्री कमल पुरस्वानी कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल तथा कार्यकारिणी में 14 लोग चुनकर आये। सर्व श्री हिमांशु सिंह अरोड़ा, संजय अग्रवाल, विनोद गेलानी, चितेश ठक्कर, दिलीप सोनी, अमित भावनानी, अभिषेक खंडेलवाल, राकेश अग्रवाल, अनिल मोटवानी, संदीप कुमार गुप्त, विनोद कुमार गुप्ता, चंद्रभान दासानी, रोहित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल चुने गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतना सांसद श्री गणेश सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता सतना महापौर श्री योगेश ताम्रकार एवं विशिष्ट अतिथि सतना विधायक श्री सिद्धार्थ कुशवाहा रहे। कार्यक्रम टॉउन हाल में एवं चुनाव चेम्बर भवन में सम्पन्न हुए।

बाजार में ग्राहकी का दौर

ब्यावर/ अनिल डोसी... बाजार में इस समय ग्राहकी अच्छी चल रही है। आगे होली का त्यौहार है, इसमें यहां दूण्ढ़ का प्रचलन अधिक है, इससे छोटे बच्चों के रेडीमेड कपड़ों की बिक्री अधिक होती है। मुम्बई प्रिण्टेड प्रिण्टेड शर्टिंग की मांग इन दिनों अधिक देखी गई है, इसी प्रकार राजपूती पोषाक का चलन भी निरन्तर बढ़ रहा है। सर्दी समाप्त होने के साथ ही गरममाल की बिक्री समाप्त हो गई है और व्यापारी गर्मी के माल को मंगवाने में लगे हुए हैं। ग्रे मार्केट में तेजी बनी हुई है, किन्तु माल का उठाव नहीं है। पेमेण्ट की आवक बनी हुई है।

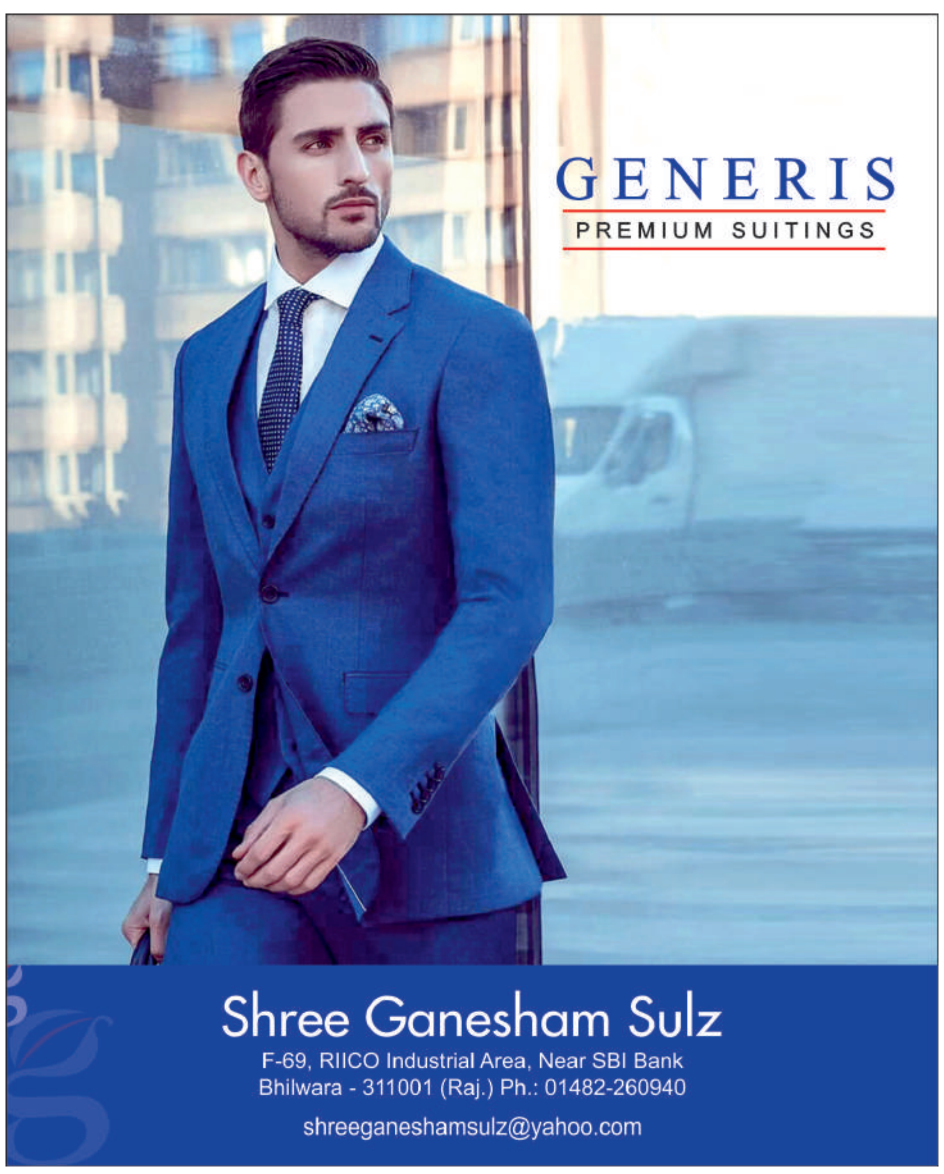

समाचार पत्र विवरण फार्म 4 (नियम8)

1. समाचार-पत्र का नाम	: टेक्सटाइल वर्ल्ड
2. प्रकाशन का स्थान	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
3.प्रकाशन अवधि	: पाक्षिक
4.मुद्रक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
5.प्रकाशक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलावड़ा (राजस्थान)
6.सम्पादक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	:सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
7.उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हैं तथा जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।	: एस एस एस मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि. : योगेन्द्र शर्मा :अर्पिता दाधीच : सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा (राजस्थान)

मैं योगेन्द्र शर्मा एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

स्थानः भीलवाड़ा — योगेन्द्र शर्मा

दिनांकः 28 फरवरी 2023 — प्रकाशक

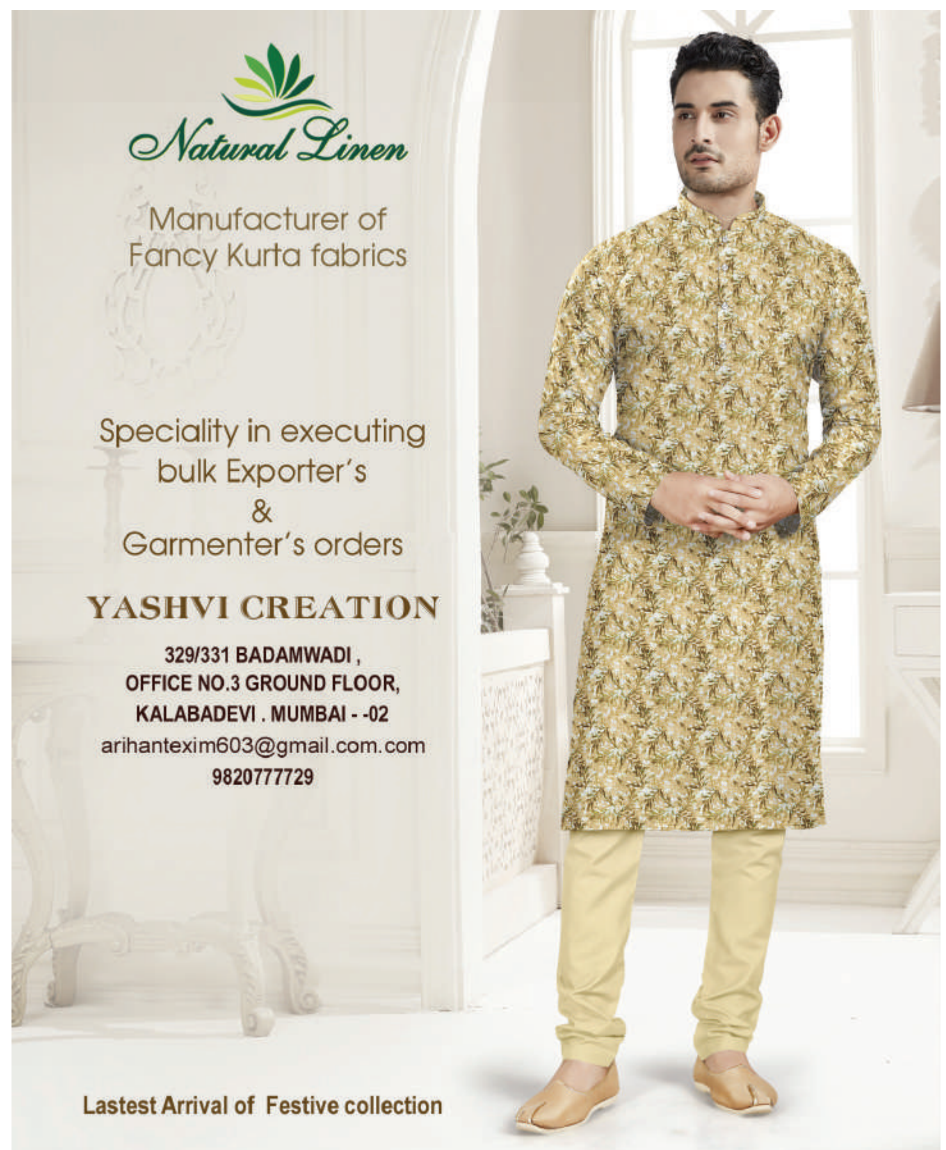

वस्त्र निर्माताओं को अच्छे दिनों की उम्मीद

माधवनगर / सत्यनारायण पलोड़

काफी दिनों से मिलों से निकासी धीरे धीरे हो रही थी, लेकिन अब होली होते ही ग्राहकी जोर पकड़ने की उम्मीद सभी को है। ग्राहकी एक साथ निकलने से होलसेल व खुदरा विक्रेताओं मे यह भी चर्चा हो रही है कि जो कुछ खरीदना है वह अभी ही खरीद लो, बाद में इस भाव कपड़ा मिलने वाला नहीं है, क्योंकि सूत का दाम कभी भी बढ़ सकता है।

मिल वालों का भी यही अंदाज है। ग्राहकी चलते ही सूत का दाम बढ़ सकता है, इसलिए पहले से ही कोटा फुल कर दिया है। सर्दी के आयटमों से व्यवसाय वालों का ध्यान हट गया है। सर्दी अब खत्म हो चुकी है। सूत का भाव बढ़ना लगभग तय है। इसका डर सभी को सता रहा है। कई दिनों के बाद चालानी अब धीरे धीरे रफ्तार पकड़ रही है।

मंद मांग से गारमेण्ट का रिटेल कारोबार घटा, जल्द सुधार की उम्मीद

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट कारोबार थोड़ा मंदा है। रिटेल स्तर पर हल्का मूवमेंट है। होली के बाद संभवतः गारमेण्ट में कारोबार बढ़े। लोगों की खरीद शक्ति घटने के कारण रिटेल में धंधा मंदा हो गया है। महंगाई के बढ़ने का भी असर कारोबार पर पड़ने लगा है। बाजार में पहले जैसी अनिश्चितता नहीं है, तथापि होली से पहले गारमेण्ट में कारोबार ठंडा हो गया है। कॉटन एवं सिंथेटिक यार्न के भाव में हो रहे उतार एवं चढ़ाव से उत्पादन एवं बिक्री में ढ़ीलापन देखा जा रहा है। स्थानीय मांग का बाजार को सपोर्ट मिल रहा है, लेकिन बांग्लादेश, वियतनाम और थाईलैंड जैसे प्रतिस्पर्धी देश अपने उत्पादों का भाव कम कर रहे हैं, इससे देश से निर्यात कारोबार पहले घटा था, जिसमें अब आंशिक सुधार हुआ है।

लेडीज वीयर, किड्स वीयर, जर्सी, ट्राउजर्स बनाकर वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ाने का अवसर है। परंतु वैश्विक खरीदारों को उत्पादों की क्वालिटी को लेकर आश्वासन की गारंटी चाहिए। बांग्लादेश इसका एक उदाहरण है, यहां कपड़ों का उत्पादन नहीं होता है, बावजूद गुणवत्तापरक कपड़ों का आयात कर उसमें मूल्यवर्धन कर बांग्लादेश गारमेंट के मामले में भारत को कड़ी टक्कर देता रहा है। वहीं दूसरी ओर भारत में फाइबर से लेकर कपड़ों का उत्पादन और गारमेंट उत्पादन के लिए वे सभी जरूरी कच्चे माल और कुशल कारीगरों की उपलब्धि है। सरकार की योजना कपड़ा एवं गारमेण्ट का निर्यात बढ़ाने की है। स्थानीय मांग के साथ निर्यात का सपोर्ट रहा तो गारमेंट कारोबार तेज हो सकता है। आगे एक बहुत अच्छी सीजन है। इसमें गर्मी के कपड़ों के साथ वैवाहिक सीजन के लिए फैंसी उत्पादों की भरपूर बिक्री होने के आसार हैं। उत्पादकों से लेकर रिटेलरों तक का कहना है कि मौजूदा मंदा धंधा कुछ दिनों का है। जैसे ही बाजार में ग्राहकी शुरू होगी, करेंट आने में देर नहीं लगेगी। जहां तक उत्पादन का सवाल है, गारमेण्ट कपड़ों का उठाव बढ़ा है। बड़े गारमेण्ट ब्राण्ड जिनकी वैश्विक ब्रांडों के साथ बड़े शॉपिंग मॉल के साथ कारोबार है, उनकी आगे की सीजन को लेकर व्यापक तैयारी है। उनके पास बड़े ऑर्डर आ रहे हैं। यही कारण है कि निट वीयर में विकास वृद्धि देखी जा रही है। यूरोप एवं अमेरिका में मंदी तथा रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण मंद पड़ी मांग से निर्यात घटा है।

सम्पादकीय....

डिजिटल दुनिया में रचनात्मक पहल

डिजिटल दुनिया में एक ओर जहां बेहद उपयोगी विचार, बहस और अन्य सामग्रियों से लोग रूबरू हो रहे हैं, वहीं कुछ लोगों की वजह से बहुस्तरीय परेशानियां भी खड़ी हो रही हैं। आधुनिक तकनीकी के विस्तार के साथ अब इसमें कोई दो राय नहीं है कि आने वाले वक्त में कामकाज से लेकर बहुत सारी दूसरे क्षेत्रों में डिजिटल निर्भरता बढ़ने वाली है। खासतौर पर सूचना और संचार के संदर्भ में इंटरनेट तक लोगों की बढ़ती पहुंच ने दुनिया के दायरे को छोटा बनाया है और इसी मुताबिक विचारों की अभिव्यक्ति के नए फलक भी खोले हैं। सोशल मीडिया के अलग-अलग मंच और उनके उपयोगकर्ताओं की तादाद में लगातार बढ़ोतरी से यह पता चलता है कि ज्ञान अर्जित करने से लेकर विचारों को जाहिर करने तक के लिए नए दरवाजे तो खुले हैं, मगर इसके साथ ही कई स्तरों पर जिम्मेदारी की भी जरूरत महसूस की जाने लगी है। दरअसल, सोशल मीडिया के मंचों ने अपने उपयोगकर्ताओं को अपने विचार जाहिर करने से लेकर अन्य गतिविधियों के लिए जगह तो मुहैया कराई है। लेकिन किसी अवांछित परिस्थिति के पैदा होने पर इसके लिए जिम्मेदारियों के निर्धारण की प्रक्रिया अब तक ठोस शक्ल नहीं ले सकी है। निश्चित तौर पर कुछ उपयोगकर्ता इसका बेजा इस्तेमाल करते हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ शिकायत आने पर संबंधित सोशल मीडिया के नियंत्रक अपने स्तर पर निपटते भी हैं, लेकिन अगर शिकायत के कठघरे में खुद कोई सोशल मीडिया का मंच हो, तो ऐसी समस्या के हल के लिए भी एक तंत्र की जरूरत महसूस की जाती रही है। इसी के मद्देनजर मंगलवार को सरकार की ओर से एक शिकायत अपीलीय समिति की शुरुआत की गई, जो सोशल मीडिया मंचों के फैसलों के खिलाफ उपयोगकर्ताओं की अपीलों पर गौर करेगी। उम्मीद की जा रही है कि इस समिति के जरिए उपयोगकर्ताओं के प्रति डिजिटल मंचों की जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

यह एक ऐसी ऑनलाइन समाधान प्रणाली है, जिसमें मेटा यानी फेसबुक या ट्विटर जैसे मध्यस्थ मंचों के शिकायत अधिकारी के फैसले से पीड़ित कोई उपयोगकर्ता इससे संबंधित शिकायत दर्ज करा सकता है। सरकार की ओर से इसका मकसद यह बताया गया है कि शिकायत समाधान प्रणाली लोगों के प्रति जवाबदेह हो। यह सही है कि सोशल मीडिया के मंचों पर किसी फर्जी नाम वाले खाते से या फिर इसी तरह के अन्य स्रोतों का सहारा लेकर कई बार अवांछित हरकतें या गतिविधियां की जाती हैं। अगर इसके खिलाफ संबंधित मंचों के कार्यालयों में शिकायत भेजी जाती है तो वहां से जरूरी कार्रवाई होती है, लेकिन ऐसा भी देखा गया है कि कई बार सोशल मीडिया का कोई मंच खुद मनमाने फैसले लेने के आरोपों के कठघरे में खड़ा होता है। ऐसी स्थिति में अब उपयोगकर्ता के पास एक तंत्र है, जहां वह किसी सोशल मीडिया मंच के फैसले पर शिकायत दर्ज करा सकता है।

डिजिटल दुनिया में एक ओर जहां बेहद उपयोगी विचार, बहसें और अन्य सामग्रियों से लोग रूबरू हो रहे हैं, वहीं इसकी उपयोगिता का फायदा उठाने वाले कुछ लोगों की वजह से बहुस्तरीय परेशानियां भी खड़ी हो रही हैं। दूसरी ओर, इंटरनेट मध्यवर्ती कंपनियों की ओर से भी बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं की शिकायतों को अनसुना किए जाने या फिर असंतोषजनक समाधान देने के मामले भी सामने आ रहे थे। जाहिर है, ऐसे में जिस इंटरनेट को ज्ञान और सुविधा के नए आकाश के तौर पर देखा जाता है, उसमें यह एक तरह से बाधक तत्व के रूप में काम करता है। इसलिए इंटरनेट को मुक्त , सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाने के मकसद से की गई ताजा पहल बेहद अहम् है, मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत होगी कि कोई भी नई व्यवस्था नागरिकों की अभिव्यक्ति और स्वतंत्रता के समानांतर उन पर निगरानी और अंकुश का जरिया न बने।

कुछ नया, कुछ अलग •

स्त्री गौरव का सम्मान स्वस्थ समाज का दर्पण है

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

विश्व नारी दिवस नजदीक है। इसलिए आज मैं इस विषय पर आप लोगों से बात करना चाहूँगा। आज पूरे विश्व में नारी सुरक्षा का प्रश्न बहुत बड़ा बन गया है। स्त्री को प्रताड़ित करना, अपमानित करना बहुत आम बात हो गयी है। यह सब कुछ जो हो रहा है, वो पुरूषों के मेन ईगो का परिणाम है, जो समाज में सदियों से पुरूष को श्रेष्ठ व नारी को हीन समझे जाने की सोच के कारण उत्पन्न हो रहा है। स्त्री सदा से परिवार, पति व पुत्रों के लिए समर्पित भाव से जीती आयी है और उसकी बरसों की साधना, त्याग व समर्पण से ही सुखद गृहस्थी बनती है और खुशहाल परिवार ही स्वस्थ समाज की नींव है।

स्त्री भी इंसान व व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बना जीना चाहती है। सम्मान व साझेदारी के साथ सुखद वातावरण चाहती है, जहां उसकी सुरक्षा पूर्ण रूप से हो। वह चाहती है ऐसा वातावरण, जहां उन्हें अपनी पहचान बनाने के लिए, व्यक्तित्व को निखारने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता मिले। और यह सब करने में उसका सहकार करना ही सही मायने में स्त्री सम्मान है। सिर्फ बातों से नहीं यह बदलाव संस्कारों से, आचरण से व सोच से ही संभव है। यही सब संस्कार अपनी अगली पीढ़ी में विकसित करने का दायित्व हमारा ही है।

प्राचीन भारत के इतिहास पर नज़र दौड़ाएं तो पता चलता है कि महिलाओं को आदरपूर्ण स्थान दिया जाता रहा है। मनुस्मृति में इनके महत्व के बारे में बताया गया है। कहते हैं कि जहां स्त्रियों को, घर की लक्ष्मी को सम्मान दिया जाता है, वहीं देवता निवास करते हैं और जहां इनका अनादर होता है, वहां के सभी काम असफल हो जाते हैं और स्वयं भगवान उस घर से मुंह फेर लेते हैं। शास्त्रों में बताया है कि नारी ही समाज का आधार है। जैसे बिना भूमि के जल, पेड़-पौधा और जीव का अस्तित्व नहीं है, वैसे ही बिना स्त्री के समाज का अस्तित्व नहीं है। हम स्त्री के बगैर की समाज व्यवस्था सोच भी नहीं सकते। स्त्री की गरिमा का सम्मान ही स्वस्थ समाज का दर्पण है।

हमेशा महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और अपने घर की स्त्रियों के साथ हर समय प्रेम और आदर से ही व्यवहार करना चाहिए। आज के समय में महिलाएं पुरुषों के बराबर हर क्षेत्र में खड़ी है। महिलाओं को कम आंकने वाले पुरुष प्रधान समाज को उन सभी महिलाओं ने जिन्हें मोका मिला है, यह दिखा दिया है कि हम पुरुषों से किसी भी हाल में कम नहीं है। महिला दिवस के अवसर पर हम महिलाओं को सम्मान देने के लिए संकल्प करें। हमारे घर की बेटी, बहन, पत्नी को उड़ने के लिए पंख दे, उनका सहयोग करें और अच्छे कार्यो के लिए सदैव उनका अभिवादन करके उन्हें प्रोत्साहित करें। महिला दिवस का उत्सव सिर्फ एक दिन का नहीं है, हमारे जीवन को संवारने वाली हर एक स्त्री शक्ति को शत शत वंदन। इंटरनेट पर कहीं पढ़ी हुई अज्ञात कवि के शब्दों से मैं स्त्री शक्ति को सलाम करना चाहता हूं।

महिला आदर मान की, केवल एक दिन की हकदार नहीं,
महिला के सम्मान की बातें, ना केवल समाज के डर से हो,
नारी के अधिकार की बातें, पहले शुरू अपने घर से हो,
महिला ज्योति पुंज धरा पर, वह जुगनू का प्रकाश नहीं,
नारी अस्तित्व सृष्टि का है, इसमें निराशा का भाव नहीं।

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

भूल ना जाना ०१८

RISHAB WORLD

गुरू हर गोविन्द साहब जी

(१५९५-१६४४)

दिवाली का त्यौहार सिख समुदाय द्वारा 'बन्दी छोड़ दिवस' के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन हर गोविन्द साहब को उनके 52 अनुयायियों सहित ग्वालियर के किले से रिहा किया गया था।

सन् 1609 में 14 वर्ष की अल्प आयु में मुगल शासक जहांगीर द्वारा उनके पिता के बकाया कर के कारण बन्दी बना लिया गया।

इससे पूर्व 25 मई 1606 को पांचवे गुरू अर्जुन ने अपने पुत्र हरगोविन्द को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर सिख समुदाय एवं धर्म की रक्षा के लिए सेना तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अपनी नई सेना तैयार की, जिसमें 'मिरी व पिरी' के नाम से दो तलवारें रखने की परम्परा राजनैतिक व धर्म रक्षा के लिए स्थापित की।

उन्होंने इसके गठन हेतु लम्बी यात्राएं की, जिसका मकसद आततायियों से धर्म की रक्षा करना था।

गुरू हर गोविन्द ने न्याय व्यवस्था के लिए अकाल तख्त की स्थापना की, जो न्याय व्यवस्था का सर्वोच्च अधिकार प्राप्त संस्थान था। यह पंथ की सर्वोच्च न्याय व्यवस्था के रूप में स्थापित है।

अच्छी बिक्री के बाद बाजार फिलहाल सुस्त

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

मुजफ्फरनगर सहित पश्चिमी उत्तरप्रदेश की अधिकांश वस्त्र मंडियों में फरवरी में लगन विवाह मुहूर्त की अच्छी खासी बिक्री होने के बाद मार्च के आरम्भ में काम काज में थोड़ी सी सुस्ती नज़र आ रही है, किंतु होली त्यौहार व ऋतु परिवर्तन के कारण ग्रीष्म ऋतु के कॉटन बेस ठंडे परिधान और वस्त्रों की बिक्री कामकाज को कमज़ोर नहीं पड़ने देगी, ऐसी प्रबल आशाएं हैं। पैंट शर्ट, साड़ी, लेडीज़ सूट, फैंसी ड्रेस सभी में बिक्री ठीक ठाक बनी हुई है। मार्च माह की बिक्री में ओसत दर्जे के काम काज रहने का अनुमान है। मुजफ्फरनगर के प्रतिष्ठित व्यापारी सर्व श्री विनोद डाबर, हितेष डाबर, संजीव गोयल, धरमवीर दीक्षित, अमित सिंघल, राकेश झांब, पवन बत्रा, गुलाटी जी, चुन्नी लाल सुनेजा, हर्ष, लक्ष्मण रस्तौगी, के पी त्यागी, अमृत चौधरी, अशोक छाबड़ा के अनुसार काम काज ठीक चलते रहेंगे।

Yarn Rate+GST

यार्न रेट्स 5 मार्च, 2023

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	245
2/18 Dyed	205
2/40 Dyed	295
2/30 Frosted	243
2/30 Dyed Slub	245
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	245

R.T.M

PH. 24766, 9829046404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	285
2/30 Frosted	240

Birla Tex Mills

2/18 Dyed	200

SRM Spinners

Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	177
2/18 PV Navy 85:15	192
2/18 PV Black 70:30	182
2/18 R Navy 70:30	205
1/15 Poly Black	132
20 PV Black	171
15 PV Black	170
2/18 S Navy 85:15	200

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	245
2/40 Dyed	280
2/50 Dyed	340

RISHIKE & SIVANTA

30/2 PV	178	30/1 Poly	138
30/2 Poly	157	15/1 PV	146
30/1 PV	157	15/1 Poly	123

Note less CD 1%+ GST

JAGDAMA SPINNING NEPAL

PV YARN		2/15	155
2/30	178	1/20	150
2/24	172	1/15	145
2/20	164	1/10	142

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	181
2/30 65/35 Black	245
2/30 65/35 Gray	205
2/40 65/35 Black	285
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	255

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	155
2/40 P/V	----
1/20 P/V	150
1/15 P/V	160

Janvi

1/15 Psy	124

RSWM

2/40 PV	208
2/30 Psy	185

Inclusive of 12 % GST

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	215
2/60 PVT	305
2/60 Polyster	225
2/80 PC Combed	580
2/76 Polyster	290
2/60 P.V.	305

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	193+GST
150 HIM Cone Dyed	182+GST
300 HIM Cone Dyed	181+GST
450 ATY fancy Cone	------
300 Black B. Cone Dyed	....
240 Lighting 100% Cone Dyed	....

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	168+GST
2/30 PV	183+GST
15S PV	153+GST
2/24 PV	178+GST
2/30 Polyester TFO	153+GST
2/20 Polyester TFO	143+GST

LOCAL TFO

Note less CD 1 + GST

2/30 PV 172 2/30 POLY 153

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL

CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	540
20 Patiyala ND	575
20 Patiyala Silver	191
20s Puja viscous	583
16s cottspin	532
20s Shri Mahadav	199
23 JS Viscous	575
20 VISCOUS	-----
16 Tile	532
20 OM Thread	563
20 JS	557
23 JS	620
10 ARI	97+GST

GST Paid

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey	105-125
150 Roto Black	107-140
150 Roto Bright	112-130
150/250 Grey	114-144
150/250 Dyed	138-160
150 Fdy	113

P.V. Yarn

2/20 Grey CL	135
2/40 POLY	190
2/15 Poly Grey	126
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	123

Cotton Yarn

4 CONE	50-88
6 CONE	72-129
10 CONE	86-162
2/4 CONE	79-130
2/6 CONE	86-148
2/8 CONE	84-148
2/10 CONE	98-209
2/20 CONE	193-245
2/30 CONE	278-355
2/40 CONE	266-327

STAPLE YARN

10 CONE	194
15 CONE	196
20 CONE	205
2/15 CONE	208
2/40 CONE	259

100%. POLY ULTIMA

2/30	158	1/30	138
2/24	152	1/20	128
2/20	144	1/15	122
2/15	136	10.	118

Note less CD 1 + GST

RB SPINNER

		100% Poly	
2/40 PV.	198		
2/30 PV	172	2/40 poly	178
2/30 PV	167	2/30 Poly	152
2/24 PV	160	15 Poly	123
2/18 PV	158	15 Poly, J.nepal-	121
2/15 PV	142		

Mill TFO

2/30 Pv	178
2/24 Pv	170
2/30 Pol	158

Note less CD 1 + GST

BLACK YARN

2/40 PV.	215	15 Pol bl.	121
2/30 PV	185	2/18 pol bl.	135
2/18 PV	165	2/30 pol bl.	158
15 PV bl.	140		
2/30 black millange	215		
15 pv black Millange	190		

Bhavit Jain- 9928913144, 9414113144

Raghav Group

M. 94141-11402
Email: sheetal@raghavindia.com

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	208
1/14 OE	215
1/16 OE	220
1/20 OE	240
30 KW	290
30 CW	310
2/40 CW ELLY	310
30 CW COMPACT	---
40 CW COMPACT	370
60 CW COMPACT	---
50 CW COMPACT	415

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	142+GST
1/20 Polyester 100%	132+GST
1/15 Polyester 100%	127+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	235+GST
2/18 P/V Black	192+GST
2/30 P/V Black	260+GST

LNJ DENIM

6 OE	203
7 OE	205
8 OE	---
9 OE	---
10 OE	210
10 Lycra	285
16 Lycra	---
10 Slub Lycra	315
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	230+GST
2/18 P/V Black	210+GST

ALOK INDUSTRY

30 POLY.	138	15 poly.	120
20 POLY.	129		

Note less CD 1%+ GST

GTM SPINNING

2/40 PV MICRO 202

Note less CD 1% + GST

100% poly

2/30 poly	153	2/15 poly.	132
2/20 poly.	142		

Note less CD 1 + GST

PC Yarn

2/60 pc 65/35	300
2/40 pc 70/30	225
2/30 pc 65/35	196
1/14 pc OE 50/50	125
1/14 pc virgin 65/35	135

Note less CD 1 + GST
2/30 pc Mill tfo 202
less 1% cd

Dyed Yarn

2/40 PV BLACK	225
2/30 PV BLACK	192
2/18 poly black.	138
2/18 black worsted	140
2/18 blue.	175
2/30 black millange	224
15 pv black millange	.195
15 poly black.	128

Note less CD 1 + GST

Magic yarn

2/49 poly magic.	175
2/45 poly magic.	172
2/49 pv magic.	208

Note less CD 1 + GST

टेक्सटाइल वर्ल्ड

समाचार पत्र प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें।

PHONE 01482-237165, MOBILE 9468835188
417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001, (RAJ.)
E-mail: textileworldtw@gmail.com

फैन्सी शर्टिंग एवं प्योर लिनन शर्टिंग सप्लाई में अग्रणी दीप हरिचरण टेक्सटाइल्स

सिकन्दराबाद/ स्थानीय कपड़ा मण्डी में युवा उद्यमी श्री दीप चरण अग्रवाल पिछले 26 वर्षों से कपड़ा व्यापार में कार्यरत हैं। इन्होंने शर्टिंग उत्पादन में बेहतर क्रिएशन करते हुए आज अच्छी पहचान बनाई है। वैसे इनके पिताजी 50 वर्ष पूर्व ही कपड़ा व्यापार में कार्य शुरू कर चुके थे।

प्रमुख उत्पाद- इनके अपने ब्राण्ड दीप हरि के अन्तर्गत शर्टिंग का उत्पादन जिसमें 58'' एवं 36'' पने में फैंसी शर्टिंग का निर्माण कर रहे हैं और बाजार की डिमाण्ड एवं चलन के अनुसार फैन्सी एवं प्यॉर लिनन में काफी वैरायटियों का संग्रह है। इन्होंने बताया कि गिफ्ट पैकिंग एवं मिक्स मैच के लिये शर्टिंग की सैकड़ों कलर रेंज में माल 12 महिने उपलब्ध रहता है।

सेल्स एवं विपणन- इनका नेटवर्क वैसे तो सम्पूर्ण तेलगांना, आंध्रा एवं महाराष्ट्र में बेहतर है, लेकिन आज अन्य राज्यों की वस्त्र मण्डियों के लिये भी एजेन्ट्स को आमंत्रित कर रहे हैं।

भिवंडी ब्राञ्च- शर्टिंग उत्पादन के लिये भिवंडी में इनका पूरा सेटअप है, जहां 2021 से शर्टिंग सेक्टर की कई रेंज में उत्पादन हो रहा है।

Happy Holi

DEEPHARI
SHIRTINGS & SUITINGS
DEEP HARI CHARAN TEXTILES

Manufacturers of:
Pure Linen, 58" & 36" Shirting (Starch & Luster)
Fancy Suitings & Jodi Box (White & White and Colour)

BRANCH OFFICE:- No. 1402, Meghdhara Market, Gala No. 70, 1st Floor, A-Wing, Anjurphata, Rahnal Village, Bhiwandi- 421302. (Dist. Thane)
HEAD OFFICE:- 2-2-51/8, Pan Bazar, Opp. Mittal Chambers Beside Uco Bank Lane, M.G. Road, Secunderabad (Telagana) Mob.: +91 93910-67450, +91 91542-67450
Trade Inquiries are Invited for Agents & Dealers Pan India

सदस्यता फॉर्म

टेक्सटाइल वर्ल्ड SINCE 1998

AXIS BANK
Textile World
Axis bank, Bhilwara
A/c no. 911020040072253
Ifs code - UTIB0000241

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
☐ 1 वर्ष	---------	24	रू. 500
☐ 2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू. 1000
☐ 5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू. 2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....
कम्पनी/फर्म का नाम : ....
पता : ....
..............................पिन कोड नं. ....
मोबाइल नं...............................फोन नं...............................
सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रा. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 9468835188 पर whatsapp सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

417, 4th FLOOR, COMMERCIAL MALL, GOVINDAM, OLD RTO ROAD, BHILWARA-311001
Tel: 01482-237165 | E-mail: textileworldtw@gmail.com | Web: www.textileworld.org

SINCE 1998
7 से 21 मार्च, 2023
टेक्सटाइल वर्ल्ड Corporate
Happy Holi FESTIVAL OF COLORS

लघु उद्योग भारती-भीलवाड़ा इकाई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में टेक्सटाइल व एमएसएमई सेक्टर में संभावनाओं पर सेमिनार आयोजित

केंद्रीय वस्त्र तथा व्यापार एवं उद्योग मंत्री श्री पियूष गोयल ने किया संबोधित

भीलवाड़ा/ लघु उद्योग भारती, भीलवाड़ा द्वारा गत दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था में टेक्सटाइल एवं एमएसएमई सेक्टर की सम्भावनाओं विषय पर एक सेमिनार आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए केंद्रीय वस्त्र तथा व्यापार एवं उद्योग मंत्री श्री पियूष गोयल ने भीलवाड़ा को कर्मठ उद्योगपतियों का स्थान बताते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी इस मुकाम तक पहुंचने के लिए बधाई दी, साथ ही उन्होंने लघु उद्योग भारती की मांग पर त्वरित उत्तर देते हुए कहा कि भीलवाड़ा में स्किल डेवलपमेंट सेंटर बड़े पैमाने पर खोला जा सकता है, ताकि जहां एक ओर उद्योगों को कुशल श्रमिक मिल सकें वहीं दूसरी ओर बड़ी जनसंख्या को अपने घर के नजदीक रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। विदित रहे कि श्री गोयल का यह पहला भीलवाड़ा दौरा था, जिसमें वस्त्र एवं उद्योग मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी,- कमिश्नर, डायरेक्टर, ज्वाइंट सेक्रेट्री स्तर के कई अधिकारी उपस्थित थे।

इकाई अध्यक्ष श्री महेश हुरकट ने स्वागत उद्बोधन में लघु उद्योग भारती भीलवाड़ा इकाई के अंतर्गत कार्यरत इकाइयों का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा वस्त्र मंत्री से टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए विशेष योजना लाने की मांग रखी। साथ ही उन्होंने स्किल डेवलपमेंट के लिए वस्त्र मंत्रालय द्वारा कोई विशेष सेंटर खोलने की मांग भी रखी।

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रकाश चंद्र ने देश के समुचित व एकरूप औद्योगिक विकास के लिए लघु उद्योगों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर रोशनी डालते हुए कहा कि जहां बड़े उद्योग एक ही क्षैत्र में कार्य करते हैं, वहीं लघु उद्योग पूरे देश के सभी क्षेत्रों का बराबर उत्थान करते हैं।

भीलवाड़ा के सांसद श्री सुभाष बहेड़िया ने भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क खोलने की आवश्यकता पर जोर देकर कहा कि यदि भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क खोला जाता है तो न सिर्फ भीलवाड़ा का दोगुना चौगुना विकास होगा वरन सरकार को भी राजस्व प्राप्त होगा।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए संगम इंडिया के चेयरमैन श्री रामपाल सोनी ने भीलवाड़ा में वस्त्र उद्योग की 50 वर्षों की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य की संभावनाओं पर रोशनी डाली। भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधक का कहना था कि भीलवाड़ा देश के उन शहरों में से एक है जहां उद्योगों में एनपीए नहीं के बराबर है और इसीलिए भीलवाड़ा के उद्योगपतियों को ऋण देने में देश का कोई भी बैंक कभी पीछे नहीं रहता है।

कार्यक्रम का सुचारू संचालन समिति श्री जागेटिया और पल्लवी लढ़ा ने किया। वस्त्र नगरी के लिए इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के सर्व श्री ओम प्रकाश मित्तल, घनश्याम ओझा, योगेंद्र शर्मा, विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, दामोदर अग्रवाल, अतुल शर्मा, एसएन मोदानी, पीएम बेसवाल, तिलोक छाबड़ा, अनूप बागड़ोदिया, राम प्रकाश डाबरा, गिरीश अग्रवाल, दिनेश लढ, विमला मुणोत, चंदा मूंदडा, स्नेह जागेटिया, शिखा अग्रवाल, खुशबू सोनी, पुनीत सोनी, सत्यनारायण झंवर, शंभू प्रसाद काबरा, हरगोविंद सोनी, संजीव चिरानिया, अजय अग्रवाल, अजय मूंदड़ा, अमित जालान, पुरुषोत्तम अग्रवाल, हरि अग्रवाल, शिव प्रकाश झंवर व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

वस्त्र मंत्री श्री पियूष गोयल पहुंचे शुभ लक्ष्मी सिन्टेक्स लि.

वस्त्र मंत्री श्री पियूष गोयल ने भीलवाड़ा प्रवास के दौरान सूटिंग फैब्रिक उत्पादन में अग्रणी कंपनी शुभ लक्ष्मी सिंटेक्स लि. का दौरा किया। इस दौरान श्री गोयल ने कंपनी द्वारा **SUGAM** ब्रांडनेम से निर्मित फैब्रिक्स का अवलोकन कर प्रशंसा करते हुए कंपनी के डायरेक्टर श्री शांति लाल पानगड़िया एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री गौरव पानगड़िया को मेन्स फैशन फैब्रिक्स में उम्दा डिजाइनिंग एवं उत्कृष्ट उत्पादन के लिए बधाई दी, तथा एक्सपोर्ट मार्केट में हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर देने की बात कही।

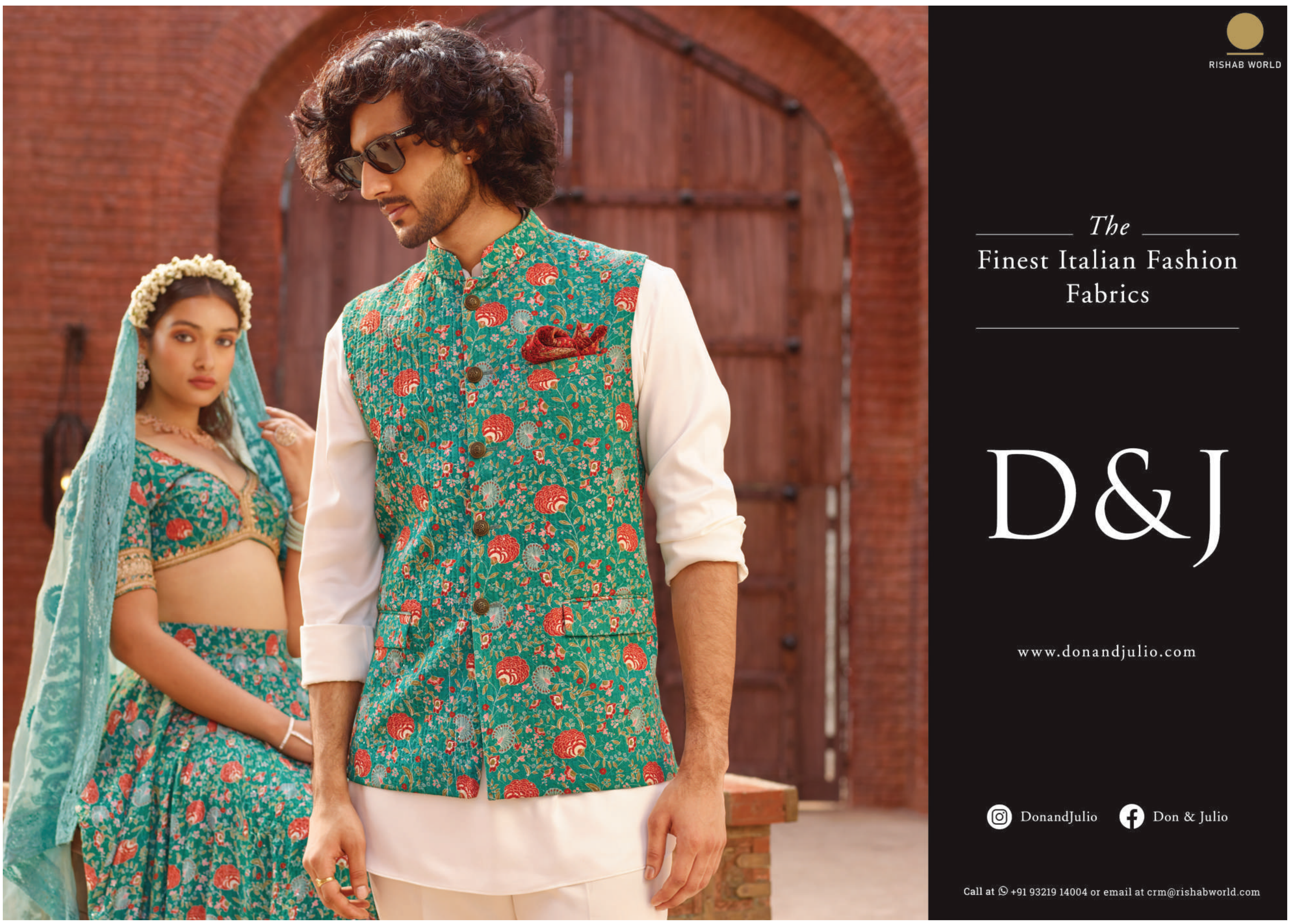

S. V. Fabrics Pvt. Ltd.
Hyderabad

PRESENTS

FASHION FOR SUPERSTARS

S.V. FABRICS HAS ANNOUNCED A STRATEGIC ALLIANCE WITH OCM MILLS TO LAUNCH A NEW SUITING BRAND!

The 'S.V. Fabrics' a division of 'S.V. Group' manages sole distribution for high-quality premium brands like **Raymonds, Raymonds Linen, Arvind, Sammaan, Siyaram, Evita, Ruby Gold, and Gini Elite** across South India.

S.V. Fabrics announced its strategic alliance with **'OCM Mills'** for the launch of a new Suiting Brand **'OCM Prime'** at the recently concluded successful event **'FASHION for SUPERSTARS' at Ramoji Film City, Hyderabad** from 3rd to 7th of Feb 2023. 'OCM Prime' received an imaginary response at S.V. Fabrics 'FASHION for SUPERSTARS' event in Hyderabad. This festive season, we are proud to launch fashionable, high-quality, and premium blends under 'OCM Prime' with India's most trusted 'S.V. Fabrics.'

The **'FASHION FOR SUPERSTARS'** event saw the launch of OCM Prime by Shri S Rajamouli, MD R.S. Brother & South India Shopping Mall Group, and Shri Ajay Agarwal, MD Donear Industries, Mumbai, with Chief Guest Shri S. Pothyraj, MD Pothys Group, Chennai, and all key retailers from South India.

'OCM Mills', one of India's largest fabric manufacturers, has moved onto a new charter of transformations across manufacturing, product development, and in revitalising the well-reputed OCM brand, in the Indian market to strengthen its business in India, and the overseas markets. The newly launched brand 'OCM Prime' offers a wide range of exclusive & premium suiting blends.

> **"THIS FESTIVE SEASON, WE ARE PROUD TO LAUNCH FASHIONABLE, HIGH-QUALITY, AND PREMIUM BLENDS UNDER 'OCM PRIME' WITH INDIA'S MOST TRUSTED 'S.V. FABRICS'."**
>
> Mr. Ajay Agarwal. Chairman, OCM Mill

S.V. Fabrics and OCM Mills have had a strong partnership since its mother brand OCM fabrics launched.

'OCM Prime' is the result of two groups' research and development efforts and years of textile experience. Textile retailers reacted positively to OCM Prime's new collection, placing large orders for it at the **'S.V. Fabrics FASHION for SUPERSTARS'** event in Hyderabad.

To be ready for the upcoming season & be updated on the latest fabric trends reach out to us at **svfabric@gmail.com.**

PARTICIPATING BRANDS

Raymond Linen | Raymond Fine Fabrics | Arvind | Sammaan | Siyaram's | Evita Bamboo Fabric | Ruby Gold | Gini Elite | Now Launched OCM Prime Exclusive Suitings | Fashion Flair Italy | Zaccari Italy Luxury Suitings | Benzzi Blended Fabrics | Donzito Premium Shirtings | Mimoto Italy Finest Giza Shirtings

किसानों की माल पर पकड़ मजबूत

रुई की मांग में कोई बड़ा उछाल नहीं

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

रुई की तुलना में कपास के भाव अधिक हैं। किसानों की माल पर पकड़ मजबूत है। किसान इस समय घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर भी कपास बेचने को तैयार नहीं हैं। इस कारण बाजार में कपास की आवक कम हो गई है। कपास आवक की यही स्थिति रही, तो जिनिंग इकाईयों में काम होना कठिन हो जाएगा। देशभर में अभी तक कुल 1.50 करोड़ गांठ बनाए जाने की रिपोर्ट है। इसमें गुजरात में 45 लाख गांठ बांधी गई है। महाराष्ट्र और गुजरात में कमोबेश इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है।

किसानों की शिकायत कम भाव मिलने की आ रही है। यही कारण है कि इस सीजन के दौरान कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने चरणबद्ध रुई उत्पादन आंकड़ों को घटाया है।

सूत्रों के अनुसार सरकार की उच्चस्तरीय समिति की हाल में हुई बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई है। सरकार ने कपास का न्यूनतम समर्थन भाव प्रति मन 1260 रू तय किए हैं, परंतु क्वालिटी कपास का भाव 1650 से 1700 रू तक है। और किसान उक्त भाव पर कपास बाजार में लाने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में कदाचित सरकारी एजेंसी कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया भी 31 मार्च के बाद से सरकारी खरीद बंद कर सकता है। सरकार न्यूनतम समर्थन भाव पर खरीद जारी रखे अथवा बंद कर दे, इसका कोई असर बाजार पर नहीं हो सकता है। जो माल बिक रहा है, वह सरकार के तय भाव से अधिक पर ही बिक रहा है। कपास के भाव में किसी गिरावट की संभावना नहीं है।

व्यापारियों का कहना है कि बाजार में रुई की आवक भरपूर है, जिससे मिलों की मांग पूरी हो सकती है। बाजार में दैनिक आवक अच्छी है, भाव प्रति खंडी 62500 से लेकर 63000 रू के बीच है। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय की कमेटी ऑन कॉटन प्रॉडक्शन एंड कंजम्पशन का चालू मौसम में रुई उत्पादन का अनुमान पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक रहने का है, लेकिन इसका भी अनुमान अक्टूबर के 341 लाख गांठ की तुलना में कम 337. 23 लाख गांठ का है। हाल दैनिक आवक 1.80 लाख गांठ की है, जिसके और बढ़ने का अनुमान है। विडम्बना यह कि कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया और इस कमेटी के अनुमान में कोई तालमेल नहीं है, लेकिन उत्पादन अनुमान घटे हैं।

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट कहती है कि प्रतिकूल हवामान के कारण उत्पादकता कम होने से पूर्व अनुमान की तुलना में देश मे रुई का उत्पादन 2.7 प्रतिशत कम अर्थात कुल 321.5 लाख गांठ हो सकती है। इसके पहले दिसम्बर 22 में अनुमान 339 लाख गांठ था। इसके पहले के अनुमान 343 लाख गांठ थे। इसमें क्रमशः रुई उत्पादन अनुमान को घटाया गया है। रुई निर्यात का अनुमान भी पिछले वर्ष के 43 लाख गांठ से घटाकर 30 लाख गांठ किया गया है, परंतु अभी भी विदेशी बाजारों में भारतीय रुई गैर प्रतिस्पर्धी मानी जा रही है। भारतीय रुई अन्य देशों की तुलना में महंगी पड़ने के कारण निर्यात में जिस तरह का सपोर्ट मिलना चाहिए, वैसा नहीं मिलने की रिपोर्ट है।

For Agent/Dealer/Franchise store enquiries contact: + 91 9340605633/9992514747 | helloburgoyne@wfbindia.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@Burgoyneindia | www.burgoyne.co
Burgoyne and BAIRD Cotton are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

For Agent/Dealer/Franchise store enquiries contact: + 91 9340605633/9992514747 | helloburgoyne@wfbindia.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@Burgoyneindia | www.burgoyne.co
Burgoyne and BAIRD Cotton are registered trademarks of **WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.**

कपड़ों में कारोबार घटा

कॉटन कपड़ों में बढ़े भाव पर उठाव धीमा पड़ा

प्रोसेस हाउस प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ाने की फिराक में

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय....थोक एवं रिटेल में कारोबार घटा है। भिवंडी में पॉवरलूम इकाइयों के बिजली बिल बढ़ने की अटकलें हैं। प्रोसेस हाउस कच्चे माल के महंगा होने से भाव बढ़ाने की फिराक में हैं। कपड़ों में निर्यात मांग नहीं है। आयातित सूटिंग एवं शर्टिंग में कारोबार कम हो गया है। जेकॉर्ड कपड़ों की मांग है। थोक और रिटेल दोनों में कपड़ों में कारोबार होली से सप्ताह भर पहले ही धीमा हो जाने के कारण बाजार नीरस है और ग्राहकी नहीं है। थोक बाजार में रमजान की ग्राहकी अभी तक नहीं निकली, जबकि रमजान का महीना 22 मार्च से शुरू होने जा रहा है। बाजार में आर्थिक संकट है, बिके माल का भुगतान समय पर नहीं आ रहा है। होम टेक्सटाइल का निर्यात मांग मंदा है। सिंथेटिक कपड़ों का उत्पादन बढ़ने से इनके भाव पर अंकुश लगा है और भाव घटने लगे हैं। हल्के लांग क्लॉथ में ग्राहकी अच्छी है, लेकिन भाव स्थिर हैं। इंटर लाइननिंग कपड़ा घटे भाव स्तर पर स्थिर हो गया है। इनमें कॉटन में जहां स्थिरता है, तो पोलिएस्टर टाइट है। निटेड कपड़ों में बाजार का रूख नरम है। उधारी की अवधि कम करने के बाद इसके विरोध में व्यापारियों ने माल लेना बंद कर दिया था। इन कपड़ों की बाजार में मांग नहीं होने तथा आर्थिक दबाव के चलते कुछ उत्पादकों द्वारा अंदर ही अंदर पुराने दर्रे पर माल बेचे जाने से पोलिएस्टर निटेड कपड़ों के भाव दो से लेकर पांच प्रतिशत लुढ़क गए हैं। कॉटन कपड़ों में बढ़े भाव पर माल का उठाव नहीं है, ग्राहकी रुकी है। होली के बाद समर के माल में ग्राहकी शुरू होने की धारणा मजबूत हो गई है। मिलें इसे लेकर आश्वस्त हैं। अच्छी बुकिंग की गई है। गर्मी शुरू होने के साथ समर सीजन के लिए शर्टिंग की मांग की आहट के बीच शर्टिंग निर्माता एवं मिलें नये उत्पादों को बाजारों में उतारने के लिए सुसज्ज हैं। होली बाद शुरू हो रहे वैवाहिक सीजन का यह दौर पहले की तुलना में लंबी अवधि का है। अतः मिलें एवं व्यापारियों की हर संभव कोशिश थोक एवं खुदरा दोनों बाजारों में कारोबार बढ़ाने की है। अभी कारोबार नहीं होने से बाजार का रुख बदला है, मूड हॉलीडे जैसा है। 7 मार्च को होलिका दहन और 8 मार्च को होली है। उसके बाद ही बाजार में कारोबार चलने का प्रबल संभावनाएं दिखाई दे रही है।

होली के बाद ग्राहकी चलने के कई समीकरण एक साथ बनते नजर आ रहे हैं। इसमें समर सीजन, रमजान, स्कूल यूनिफॉर्म और वैवाहिक संबंधित कपड़ों में कारोबार एक बार फिर से तेज हो सकता है। समर सीजन के पतले सूती कपड़ों की मांग बढ़ने और कॉटन यार्न की मजबूती के चलते गर्मी के पतले कपड़ों जैसे कि लोन, कैम्ब्रिक और मलमल के भाव बढ़े हैं। हाजिर में कपड़ों का स्टॉक कम होने से शॉर्टेज का भी असर इनके भाव पर देखा गया है। कपड़ों का उत्पादन पहले ही कम था, अब अचानक मांग बढ़ने पर भिवंडी में जॉब करने वाले वीवरों की मजदूरी दरें बढ़ गई है। प्रोसेस हाउस प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ाना चाहते हैं। बढ़े भाव पर ग्राहकी में दम नहीं है। रेयॉन कपड़े की मांग है। कॉटन कपड़ों की बढ़ती मांग और आगे सीजनल मांग पूरा करने के लिए वीविंग इकाईयों में जैसे कपड़ों का उत्पादन बढ़ रहा है, वैसे प्रोसेस हाउसों में कामकाज बढ़ रहा है। डाईंग और प्रोसेसिंग इकाईयों में एक समय प्रोग्राम का अभाव था और इन इकाईयों में कामकाज कम क्षमता के साथ हो रहा था, लेकिन अब चौतरफा कपड़ों की मांग में इजाफा होने की बढ़ती संभावना से इनके कारोबार में थोड़ी तेजी आई है। प्रोसेस इकाईयां कच्चा माल महंगा होने के हवाले से प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ाना चाहती है, लेकिन जानकारों का कहना है कि बाजार में अभी उतनी तेजी नहीं आई है और न ही बढ़े भाव को आसानी से हजम किया जा सकता है, इसलिए तत्काल भाव बढ़ाना संभव नहीं है। मौजूदा बिजली दरों में करीब 37 प्रतिशत की भारी वृद्धि करने का प्रस्ताव मंजूरी के लिए महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग के पास महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लि.ने भेजा है। इस वृद्धि प्रस्ताव का भिवंडी पॉवरलूम सेक्टर की ओर से विरोध किया गया है। अगर इसे मंजूरी मिलती है तो बिजली की दरें प्रति यूनिट 2.55 पैसे तक बढ़ सकती है। भिवंडी में पॉवरलूम उद्योग से जुड़े अनेक हितधारकों एवं संगठनों की ओर से इस पर आपत्ति दर्ज कराई गई है। सभी की राय है कि बिजली की दरें बढ़ती है, तो पॉवरलूम कारखानों के बंद होने का खतरा बढ़ता है। पावरलूम सेक्टर सहित छोटे बड़े उद्योगों एवं कारोबारियों के लिए बिजली बिल का भुगतान करना बहुत अधिक कठिन हो जाएगा। आयातित सूटिंग और शर्टिंग दोनों में कारोबार घट गया है। सलोना प्लेन का बाजार भाव 145 से 146 रु है, तो चीन की अरमानी सूटिंग 157 से 158 रु में बाजार में बिक रही है। इंडोनेशिया से आयात अरमानी लचका का भाव 425 से 450 रू है। टीआर फैंसी सूटिंग का भाव 250 से 450 रु, तो सूरत एवं भीलवाड़ा में बनी टीआर सूटिंग का भाव 150 से 300 रू तक है। वियतनाम, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, चीन, दक्षिण कोरिया से शर्टिंग का आयात किया गया गया है। रेमी शर्टिंग सफेद कलर 58'' पना का भाव 360 से 365 रू और 54'' पना में अन्य कलरों का 180 से 220 रू है। सफेद कलर की मांग सबसे अधिक रहती है। गोपालजी 44'' पना का प्रति वार भाव 75 से 108 रू के बीच चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने नितिन स्पिनर्स का विजिट कर किया प्लांट का निरीक्षण

भीलवाड़ा। केंद्रीय वस्त्र तथा व्यापार एवं उद्योग मंत्री श्री पियूष गोयल ने गत दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था एवं निर्यात में टेक्सटाइल सेक्टर का योगदान विषय पर भीलवाड़ा दौरा किया। श्री गोयल का यह पहला भीलवाड़ा दौरा था, उनके साथ वस्त्र एवं उद्योग मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी, कमिश्नर, डायरेक्टर, ज्वाइंट सेक्रेट्री एवं जनप्रतिनिधि भी थे। सेमिनार के पश्चात श्री गोयल ने नितिन स्पिनर्स प्रा. लि. इकाई का भी दौरा कर प्लांट का निरीक्षण किया। प्लांट पहुंचते ही श्री गोयल का कंपनी के एमडी श्री दिनेश नौलखा, ज्वॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नितिन नौलखा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान सांसद श्री सुभाष बहेड़िया, चित्तौड़ सांसद श्री सी. पी. जोशी, वर्टेक्स सुल्ज एवं होटल ग्लोरिया इन के ऑनर श्री सुनील जागेटिया सहित कई गणमान्य उद्योगपति एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**